

Pawan Hans Limited
A 100% State Owned Public Sector Enterprise
WE FLY FOR YOU

Come and Explore the
Magnificence
of Spiritual Capital of India

Ganga Darshan of Varanasi

Prasad Ghat, Dash Ganga Ghat, Kankarna Ghat, Ashiyeh Ghat, Man Mandir Ghat, Babulnada Ghat, Kashi Ghat, Manikarnika Ghat

Flying Schedule
Varanasi-Samath-Varanasi (Daily Service)
Ganga Darshan, Samath (Daily Service)

एजेंट 19871
Innovative India

आइए, भारत की आध्यात्मिक

राजधानी की अलौकिकता

के दर्शन करें।

वाराणसी में गंगा दर्शन

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय अस्सी घाट चेत सिंह घाट दरभंगा घाटा अहिल्या घाट मानमंदिर घाट
सिंधिया घाट मीर घाट मणिकर्णिकाघाट

उड़ान अनुसूची

वाराणसी - सारनाथ -वाराणसी (दैनिक सेवा)

गंगा दर्शन - सारनाथ (दैनिक सेवा)

Come fly with **Pawan Hans** to Explore Varanasi in a new way

नए परिदृश्य में वाराणसी यात्रा का अनुभव करने हेतु

आओ चले पवन हंस के साथ

THE KASHI VISHWANATH TEMPLE

Also known as the Golden Temple, it is dedicated to Lord Shiva, the presiding deity of the city. Varanasi is said to be the point at which the first jyotirlinga, the fiery pillar of light by which Shiva manifested his supremacy over other gods, broke through the Earth's crust and flared towards the heavens. More than the Ganges and even the Ganga, the Shivalinga installed in the temple remains the devotional focus of Varanasi.

काशी विश्वनाथ मंदिर

स्वर्ण मंदिर के नाम से भी ज्ञात यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है जो इस नगर के प्रधान देव भी हैं। वाराणसी नगर के बारे में ऐसा कहा जाता है कि यह वह स्थल है जहां पहला ज्योतिर्लिंग नामक प्रकाशपुंज स्थापित हुआ था जिसके प्रकाश के माध्यम से भगवान शिव ने धरती के ऊपरी आवरण को चीरकर स्वर्ग में अन्य देवताओं पर अपना आधिपत्य स्थापित किया था। वाराणसी में घाटों और गंगा नदी के अलावा मंदिर में स्थापित शिवलिंग श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बना हुआ है।

Sarnath

Sarnath is a city located 13 kilometres north-east of Varanasi near the confluence of the Ganges and the Varuna rivers in Uttar Pradesh, India. The deer park in Sarnath is where Gautama Buddha first taught the Dharma, and where the Buddhist Sangha came into existence through the enlightenment of Kondanna. Singhpur, a village approximately one km away from the site, was the birthplace of Shreyansanath, the Eleventh Tirthankara of Jainism, and a temple dedicated to him, is an important pilgrimage site.

सारनाथ

सारनाथ नगर उत्तर प्रदेश, भारत में गंगा तथा वरुणा नदी के संगम स्थल के निकट वाराणसी नगर की उत्तर पूर्व दिशा में 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थापित है। सारनाथ में स्थित डियर पार्क वह स्थान है जहां गौतम बुद्ध द्वारा सर्वप्रथम धर्म की दीक्षा प्रदान की गई थी तथा जहां कौंडिन्य के जानोदय से बौद्ध संघ की स्थापना हुई। इस स्थल से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिंहपुर जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थाकर श्रेयांशनाथ की जन्मस्थली हैं तथा यहां उन्हें समर्पित एक मंदिर भी है जो तीर्थयात्रियों के आकर्षण का केन्द्र है।

RAMNAGAR FORT

The residential place of Kashi Naresh (Former Maharaja of Varanasi) across the Ganges at Ramnagar houses a museum with the exhibits of palanquins, costumes, swords, sabres, etc. Dussehra celebration of Ramnagar is an interesting event to witness. 14 km. from Varanasi. Ramnagar Fort which was built in 1750 A.D by the Maharaja of Banaras, is on the right bank of River Ganga. Built of red stones, it provides strength and stability to the city. Visit : Daily from 0900 to 1200 and 1400 - 1500.

रामनगर महल

गंगा नदी के पास स्थित काशी नरेश (वाराणसी के पूर्व महाराजा) के आवास रामनगर महल में स्थित म्यूजियम में पालकियां, वस्त्र, तलवारें, कटारें इत्यादि प्रदर्शित की गई हैं। वाराणसी से 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रामनगर में दशहरे के त्यौहार का आयोजन दर्शनीय होता है। गंगा नदी के किनारे पर स्थापित रामनगर महल की स्थापना बनारस के महाराजा द्वारा 1750 ईस्वी में की गई थी। लाल पत्थरों से बना यह महल नगर को शक्ति एवं स्थायित्व प्रदान करता है । खुलने का समय : प्रतिदिन 0900 से 1200 तथा 1400 से 1500 बजे ।

RIVER FRONT (GHATS)

The spectacular 4 km sweep of the Ghats is unique sight, best viewed at dawn, in that "soft first light" when the river and Ghats have a timeless appeal. Life is almost panoramic detail unfolds here from dawn to dusk as a steady stream of devotees—swelling to thousands on auspicious days—perform rituals by the Ganga. The Ghats are best approached by Dashashwamedha ghat, where boats are available on hire.

नदी के सिरे पर स्थित घाट

सूर्योदय के समय सूर्य की पहली मध्यम किरण के साथ नदी के सिरे पर 4 किलोमीटर के घुमाव में स्थापित भव्य घाटों की छवि तब अत्याधिक अप्रतिम हो उठती है जब नदी और घाट समय की शून्यता का आकर्षण प्रदान करते हैं। जीवन के अत्याधिक विहंगम अर्थ की परतें यहां सूर्योदय से गोधूली तक यहां तब खुलती चली जाती हैं जब श्रद्धालुओं का महासागर पावन दिनों के दौरान गंगा नदी में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करता है। दशश्वमेध घाट से इन घाटों तक किराए पर मिलने वाली नावों से पहुंचा जा सकता है।

Assi Ghat is the southernmost ghat in Varanasi. To most visitors to Varanasi, it is known for being a place where long-term foreign students, researchers, and tourists live. Assi Ghat is one of the ghats often visited for recreation and during festivals. On typical days about 300 people visit every hour in the mornings, and on festival days 2500 people arrive per hour. The ghat accommodates about 22,500 people at once during festivals like Shivratri.

अस्सी घाट

अस्सी घाट वाराणसी का सुदूर दक्षिणी घाट है। वाराणसी आने वाले अधिकांश पर्यटकों के लिए यह घाट उस स्थान के नाम से प्रसिद्ध है जहां दीर्घकालिक शिक्षा प्राप्ति के लिए विदेशी विद्यार्थी, अनुसंधानकर्ता तथा पर्यटक निवास करने आते हैं। अस्सी घाट पर लोग अक्सर मनोरंजन के लिए तथा त्यौहारों के दौरान आते हैं। किसी भी सामान्य दिन यहां 300 व्यक्ति प्रति घंटा आते हैं तथा त्यौहार के दिनों में आने वाले व्यक्तियों की

संख्या 2500 व्यक्ति प्रति घंटा होती है। शिवरात्रि जैसे त्यौहार के अवसर पर इस घाट में लगभग 22,500 व्यक्ति आ सकते हैं।

Two legends are associated with Manikarnika Ghat. According to one, it is believed to be the place where Lord Vishnu dug a pit with his Chakra and filled it with his perspiration while performing various penances. While Lord Shiva was watching Lord Vishnu at that time, the latter's earring ("manikarnika") fell into the pit. According to the second legend, in order to keep Lord Shiva from moving around with his devotees, his consort Goddess Parvati hid her earrings, and asked him to find them, saying that they had been lost on the banks of the Ganges.

मणिकर्णिका घाट

मणिकर्णिका घाट के साथ दो किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। एक किंवदंती के अनुसार ऐसा माना जाता है कि यह वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से एक गढ़वा खोदा था और उनके द्वारा की गई विभिन्न तपस्याओं से आए पसीने से यह गढ़वा भर गया। उनके कान की मणिकर्णिका जब इस गढ़वे में गिरी तब भगवान शिव भगवान विष्णु को देख रहे थे। दूसरी किंवदंती के अनुसार भगवान शिव को अपने गणों से छुट्टी देने के लिए माता पार्वती ने अपनी मणिकर्णिका इस गढ़वे में छिपा दी थी और भगवान शिव से इसे ढूंढने के लिए कहा था। ऐसी मान्यता है कि यह गंगा के किनारों में कहीं खो गई है।

and many more.... with affordable rate cashlessly

और भी ढेरों आकर्षण..... वहनीय दरों पर नकदी रहित

How to Reach Varanasi: Varanasi is the cultural capital of India and the melting pot of Indian civilization. Varanasi or Benaras has a well-developed transport network and is well connected to all the major Indian cities and states by air, road and rail.

By Air: Varanasi is well connected and accessible to major Indian cities and tourist spots. There are daily domestic flights to and from Varanasi to several cities in India. Apart from the state owned Indian Airlines, there are many private air taxi operators that offer their services from Varanasi to other Indian cities. In fact, the daily flights on Delhi-Agra-Khajuraho-Varanasi route are quite popular among the tourists.

By Rail: Since Varanasi lies in the heartland of the North Indian plains, it is well connected to Delhi, Kolkata, Mumbai and other parts of India. There are two railway stations in Varanasi, the Kashi Junction and the Varanasi Junction (also known as Varanasi Cantonment). Rajdhani Express from Delhi or from Calcutta passes through Varanasi too. One can also catch trains from Mughalsarai, just 10 km south of Varanasi.

By Road: Situated in the flat Ganga plains, Varanasi has a good network of roads. frequent public and private buses and road transport to all the major towns of Uttar Pradesh and nearby areas.

वाराणसी कैसे पहुंचे: वाराणसी भारत की सांस्कृतिक राजधानी है तथा यहां भारतीय सभ्यता रग रग में बसी हुई है। वाराणसी अथवा बनारस में पूर्णतः विकसित परिवहन नेटवर्क है तथा यह भारत के सभी प्रमुख नगरों तथा राज्यों से वायु, सड़क तथा रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है।

वायु मार्ग द्वारा : वाराणसी प्रमुख भारतीय नगरों तथा पर्यटक स्थलों से जुड़ा हुआ है तथा यहां पहुंचना काफी सुगम है। भारत के अनेक नगरों से वाराणसी से आने तथा जाने के लिए दैनिक अंतर्देशीय उड़ाने उपलब्ध हैं। सरकार के स्वामित्व वाली कम्पनी एअर इंडिया के अलावा अनेक निजी एयर टैक्सी प्रचालक भी अपनी सेवाएं वाराणसी से अन्य भारतीय नगरों के लिए प्रदान कर रहे हैं। वस्तुतः दिल्ली-आगरा-खजुराहो-वाराणसी मार्ग की दैनिक उड़ान पर्यटकों में काफी लोकप्रिय है।

रेल मार्ग द्वारा : वाराणसी चूंकि उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों के मध्य में स्थित है अतः दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई तथा भारत के अन्य नगरों से इसकी सम्पर्कता काफी अच्छी है। वाराणसी में दो रेलवे स्टेशन हैं; काशी जंक्शन तथा वाराणसी जंक्शन (जिसे वाराणसी कैंट के नाम से भी जाना जाता है।) । दिल्ली तथा कोलकाता से आने वाली राजधानी एक्सप्रेस के रास्ते में वाराणसी भी आता है। वाराणसी के दक्षिण में लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मुगल सराय से भी गाड़ी पकड़ी जा सकती है।

सड़क मार्ग द्वारा : गंगा के मैदानी इलाके में स्थित वाराणसी के लिए उत्तर प्रदेश के प्रमुख नगरों तथा निकटतम क्षेत्रों के लिए सड़कों, सार्वजनिक वाहनों तथा निजी बसों एवं सड़क परिवहन का नेटवर्क काफी अच्छा है।

Indian Passenger: Rs 2499/- Foreign Passenger:Rs 3499/-

Online ticket booking is available on www.pawanhans.co.in

भारतीय यात्री : 2499/- रूपए विदेशी यात्री: 3499/- रूपए

टिकट के लिए ऑनलाइन बुकिंग www.pawanhans.co.in पर उपलब्ध ।

Pawan Hans Information Centers:

पवन हंस सूचना केन्द्र :

Corporate Office:- Pawan Hans Tower, C-14, Sector -1, Noida-201301 U.P.
Contact No. 0120-2476766, 9582701770, 9654601014, 9711762944
E-mail:-cocr@pawanhans.co.in

BHU Campus Ajagara, Banaras Hindu University Campus, Varanasi, Uttar Pradesh 221005
E-mail: varanasi@pawanhans.co.in Mob. 9873155666

Sarnath:- Buddha Theme Park Ground, Sarnath, Varanasi, Uttar Pradesh
Mob. 9899400899

Varanasi Airport:- Lal Bahadur Shastri International Airport, Babatpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221006
Mob. 9833515791
For online booking please visit our Website: www.pawanhans.co.in

निगमित कार्यालय : पवन हंस टॉवर, सी-14, सेक्टर-1, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश
सम्पर्क नम्बर : 0120-2476766, 9582701770, 9654601014, 9711762944
ईमेल: cocr@pawanhans.co.in

बीएचयू कैम्पस अजागरा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय कैम्पस, वाराणसी, उत्तर प्रदेश 221005
ईमेल: varanasi@pawanhans.co.in मोबाइल :9273155666

सारनाथ : बुद्धा थीम पार्क ग्राउंड, सारनाथ, वाराणसी, उत्तर पदेश
मोबाइल 9899400899

वाराणसी हवाईअड्डा: लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा, बाबतपुर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश 221006
मोबाइल 9833515791

ऑनलाइन बुकिंग के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.pawanhans.co.in पर विजिट करें।